www.aerb.gov.in

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, मुम्बई

"एईआरबी का मिशन यह सुनिश्चित करना है कि भारत में आयनकारी विकिरण और परमाणु ऊर्जा के उपयोग से लोगों और पर्यावरण के स्वास्थ्य के लिए अवांक्षित जोखिम न हो।"

इस अंक में

	अध्यक्ष की कलम से	02
1.0	संरक्षा समीक्षा एवं नियमन	03
2.0	नियामक निरीक्षण	03
3.0	नियामक दस्तावेज	04
4.0	राष्ट्रीय समन्वय	05
5.0	अंतर्राष्ट्रीय समन्वय	06
6.0	आम नागरिक / हितधारक जनजागरूकता एवं संरक्षा प्रचार गतिविधियां	06
7.0	मानव संसाधन विकास / पुनश्चर्या प्रशिक्षण	09
8.0	राजभाषा कार्यान्वयन	10
9.0	एईआरबी स्थापना दिवस समारोह और सतर्कता जागरूकता सप्ताह	10
10.0	नियुक्तियाँ / सेवानिवृत्ति	11
11.0	संगठन में परिवर्तन	11
12.0	एईआरबी ने अपने पूर्व अध्यक्ष को विदाई दी	14

ई-वृत्तपत्र

अक्टूबर – दिसंबर - 2022
अंक 33/खंड – 04

अध्यक्ष की कलम से

एईआरबी ने अपने उद्भव से ही संरक्षा विनियमन के क्षेत्र में परिपक्वता प्राप्त करने के लिए एक लंबा रास्ता तय किया है। एक सक्षम नियामक के रूप में इसकी विश्वसनीयता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी तरह से स्थापित है। हालांकि, हमें याद रखना चाहिए कि संरक्षा को एक यात्रा के रूप में माना जाता है न कि एक गंतव्य के रूप में, ऐसा ही संरक्षा नियमों के मामले में है। मेरे लिए संरक्षा विनियमन एक आरोही ढलान पर एक यात्रा है इसपर बने रहने एवं ऊँचाई पर जाने के लिए कठिन प्रयास करना पड़ता है; इसमें आत्मतुष्टि की कोई गुंजाइश नहीं होती है।

प्रिय पाठक गण,

हमारे सभी पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएँ!

श्री गुंटूर नागेश्वर राव, जिन्होंने दिनांक 31 दिसंबर, 2022 (अपराह्न) को अध्यक्ष, एईआरबी का पदभार छोड़ा था, से पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी कुछ अंतर्दृष्टि साझा करना मेरे लिए खुशी और सौभाग्य की बात है। श्री नागेश्वर राव ने चुनौतीपूर्ण कोविड-19 महामारी की अवधि के दौरान एईआरबी की नियामक गतिविधियों को बखूबी से कार्यान्वित किया है। एईआरबी के दायरे में आनेवाली सभी फैसिलिटियों और गतिविधियों के सुरक्षित प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए एईआरबी ने अविचलित संकल्प के साथ काम करती है। विस्तृत अनुवर्ती आईएईए आईआरआरएस मिशन-2022 की सफल मेजबानी में श्री नागेश्वर राव के नेतृत्व को स्नेहपूर्वक याद किया जाएगा।

एईआरबी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ए. गोपालकृष्णन, जिनका दिनांक 9 अक्टूबर 2022 को निधन हो गया, के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मैं एईआरबी के अपने सभी सहयोगियों के साथ शामिल हुआ। एईआरबी नाभिकीय संरक्षा विनियमन में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में उनके उल्लेखनीय योगदान को याद किया जाएगा। उन्हें एईआरबी के कामकाज को सुव्यवस्थित करने और इसे एक प्रभावी और कुशल नियामक निकाय के रूप में स्थापित करने के लिए, उनका व्यावहारिक नजरिए, दयालु दृष्टिकोण एवं गहरी समझ के लिए भी याद किया जाएगा।

मैंने नए साल की शुरुआत में इस सम्मानित संगठन के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। यह वह समय है जब जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए नए संकल्पों और प्रतिबद्धताओं के साथ उत्साह उच्च होता है। एईआरबी ने अपने उद्भव से ही संरक्षा विनियमन के क्षेत्र में परिपक्वता प्राप्त करने के लिए एक लंबा रास्ता तय किया है। एक सक्षम नियामक के रूप में इसकी विश्वसनीयता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी तरह से स्थापित है। हालांकि, हमें याद रखना चाहिए कि संरक्षा को एक यात्रा के रूप में माना जाता है न कि एक गंतव्य के रूप में, ऐसा ही संरक्षा नियमों के मामले में है। मेरे लिए संरक्षा विनियमन एक आरोही ढलान पर एक यात्रा है इसपर बने रहने एवं ऊँचाई पर जाने के लिए कठिन प्रयास करना पड़ता है; इसमें आत्मतुष्टि की कोई गुंजाइश नहीं होती है। विकासोन्मुख नई तकनीकों पर नज़र रखना और उन्हें विनियमित करने की तैयारी के लिए निरंतर प्रयास और व्यवस्थित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इसके बारे में अधिक जानकारी एईआरबी की वेबसाइट लिंक https:// www.aerb.gov.in/english/about-us/chairman-s-desk पर 'प्रतिबिंब और भविष्य की दिशाएं - नए अध्यक्ष के विचार' शीर्षक के तहत उपलब्ध है।

विकिरण फैसिलिटियों में स्व-विनियमन कार्यप्रणालियों के माध्यम से प्राप्त अंतर्दृष्टि को समझने के लिए, एईआरबी ने औद्योगिक रेडियोग्राफी कार्यप्रणालियों के हितधारकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करना जारी रखने और विनियमन में और सुधार करने के लिए नियामक इंटरफेस (एनसीआरआई) पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। एईआरबी ने तिमाही के दौरान एनपीसीआईएल के साथ संयुक्त रूप से पऊवि संरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य पर पेशेवर बैठक की मेजबानी की।

वीईसीसी राजारहाट साइट, कोलकत्ता में स्थित पूर्वी क्षेत्रीय नियामक केंद्र (ईआरआरसी) के लिए एईआरबी, एएमडी के एक नए भवन के उद्घाटन की सूचना देते हुए मुझे खुशी हो रही है। इससे हमारे देश के पूर्वी क्षेत्र में एईआरबी के दायरे में आने वाली फैसिलिटियों की नियामक गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा।

एईआरबी ने "नाभिकीय एवं रेडियोलॉजिकल आपात स्थितियों का प्रबंधन" (एईआरबी/एनआरएफ/एससी/एनआरई) पर एक संरक्षा कोड प्रकाशित किया। यह संरक्षा कोड नाभिकीय एवं रेडियोलॉजिकल संरक्षा के लिए विनियामक आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है जिसे लाइसेंसधारक द्वारा पूरा किया जाता है। एईआरबी ने तिमाही के दौरान " विखंडनीय सामग्री प्रहस्तन फैसिलिटियों की क्रांतिक संरक्षा (एईआरबी /एफसीएफ/ एसजी-3)" और "नाभिकीय बिजली संयंत्रों के लिए उपकरण योग्यता (एईआरबी/एनपीपी/एसजी/डी-27)" पर दो संरक्षा गाइड भी प्रकाशित किया। यह संरक्षा मार्गदर्शिकाएं क्रमशः नाभिकीय रिएक्टर के अलावा नाभिकीय एवं विकिरण फैसिलिटियों में विखंडनीय सामग्रियों के प्रबंधन, प्रसंस्करण और भंडारण में क्रांतिकता को रोकने और उप-महत्वपूर्णता को बनाए रखने पर मार्गदर्शन प्रदान करती हैं और सामान्य प्रचालन और दुर्घटना स्थिति में कार्य करने के लिए आवश्यक नाभिकीय बिजली संयंत्रों के उपकरणों की योग्यता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती हैं।

जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में, हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। एईआरबी भी साल भर चलने वाले इन महोत्सवों में शामिल हुआ है। इस दौरान एईआरबी में विभिन्न जागरूकता एवं वैज्ञानिक कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस तिमाही के दौरान भी जागरूकता सह प्रतियोगिता कार्यक्रमों का भी संचालन जारी रहा है।

देश में विकिरण संरक्षा के लिए राष्ट्रीय नियामक के रूप में एईआरबी समाज की बेहतरी के लिए नाभिकीय ऊर्जा और विकिरण अनुप्रयोगों के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में, कर्मचारियों और हितधारकों के सक्रिय समर्थन के साथ, हम इस संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और संरक्षा नियमों में मानकों को स्थापित करने में सक्षम होंगे। मुझे पूरी उम्मीद है कि एईआरबी अपने हितधारकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा, नई चुनौतियों के लिए तैयार रहेगा, और अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से निर्वहन करेगा।

आइए हम सभी अपने व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों से हर क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें।

दिनेश शुक्ला

दिनेश कुमार शुक्ला - अध्यक्ष, एईआरबी

1.0 संरक्षा समीक्षा एवं विनियमन

बोर्ड की 139वीं बैठक का आयोजन दिनांक 22 दिसंबर, 2022 को कैगा जेनरेटिंग स्टेशन (केजीएस) साइट, कर्नाटक में संपन्न हुआ। अध्यक्ष और बोर्ड के सदस्यों ने केजीएस-1 और 2, और केजीएस -3 और 4 के नियंत्रण कक्ष और केजीएस-5 और 6 परियोजना स्थल का दौरा किया। बोर्ड ने एनपीसीआईएल के कर्मचारियों के साथ बातचीत की एवं संरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में गतिविधियों की प्रगति की सराहना की।

बैठक के दौरान, बोर्ड को पिछली तिमाही के दौरान आयोजित विनियामक गतिविधियों और विनियमित फैसिलिटियों की संरक्षा स्थिति की मुख्य बातों से अवगत कराया गया। नाभिकीय और रेडियोलॉजिकल आपात स्थिति के प्रबंधन पर एईआरबी की संरक्षा कोड (एईआरबी/एससी/एनआरई) की समीक्षा की गई और उसे जारी करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया।

139 वीं बोर्ड बैठक की झलक

1.1 नाभिकीय एवं विकिरण फैसिलिटियों की सहमति

विस्तृत संरक्षा समीक्षा एवं मूल्यांकन के बाद एईआरबी ने निम्नलिखित लाइसेंस/सहमति जारी की।

(i) 31 दिसंबर, 2022 तक केएपीपी-3 में संशोधनों को मान्य करने के लिए 50% एफपी शक्ति तक परीक्षण चलाने की अनुमति का विस्तार।

(ii) 30 जून, 2023 तक केएपीपी-3 के चरण-सी कमीशनिंग के लिए अनुमति का विस्तार।

(iii) केएपीपी-3 रिएक्टर से हटाए गए विशेष रेडियोधर्मी अपशिष्ट (एआर-09 तत्व) को एनएसडीएफ, काकरापार साइट पर स्थानांतरित करने के लिए प्राधिकरण।

(iv) केएपीपी-3 और 4 द्वारा रेडियोधर्मी अकार्बनिक तरल और गैसीय अपशिष्ट के निपटान और केएपीपी-3 और 4 द्वारा रेडियोधर्मी ठोस और जैविक तरल अपशिष्ट को अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रीकृत फैसिलिटी (डब्ल्यू एमसीएफ),काकरापार गुजरात साइट में स्थानांतरित करने के लिए अनंतिम प्राधिकरण।

(v) जीएचएवीपी -1एवं2 परियोजना के एनबी-01 में (i) 80 फाउंडेशन पाइल्स के सीएसएल ट्यूब्स को प्लग करने, और (ii) 15 फाउंडेशन पाइल्स (जिनकी समीक्षा संतोषजनक रूप से पूरी हो चुकी है) के लिए सीएसएल ट्यूब्स की प्लगिंग और कोर होल्स की ग्राउटिंग की अनुमति।

(vi) केकेएनपीपी-5 और 6 के संपूर्ण परिवहन पोर्टल संरचना (यूजेजी) के निर्माण की अनुमति।

(vii) आरएपीएस-3 और 4 के प्रचालन के लिए लाइसेंस तथा 5 साल की अवधि के लिए रेडियोधर्मी अपशिष्ट के निपटान/हस्तांतरण के लिए प्राधिकरण का नवीनीकरण।

(viii) एईआरबी ने विकिरण अनुप्रयोग (ई-लोरा) पोर्टल ई-लाइसेंसिंग के माध्यम से विकिरण फैसिलिटियों (उद्योग, स्वास्थ्य देखभाल एवं अनुसंधान में आयनकारी विकिरण स्रोतों का उपयोग करने वाली फैसिलिटियों) के विभिन्न प्रचालन चरणों से संबंधित 10,660 सहमति जारी की।

2.0 नियामक निरीक्षण

नियामक निरीक्षण (आरआई) एईआरबी की प्रमुख प्रक्रियाओं में से एक है जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि नाभिकीय/ विकिरण फैसिलिटी कानूनी और नियामक आवश्यकताओं एवं लाइसेंसिंग की शर्तों का अनुपालन करती है। एईआरबी, लाइसेंसधारक की विभिन्न गतिविधियों को कवर करने के लिए समय-समय पर नियमित निरीक्षण करता है। यह श्रेणीबद्ध दृष्टिकोण का पालन करते हुए किया जाता है – इसके दौरान उच्च जोखिम वाली फैसिलिटियों पर आनुषंगिक स्तर का ध्यान दिया जाता है। नियामक निरीक्षण में विभिन्न तकनीकी पहलुओं के साथ-साथ आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण, विभिन्न दस्तावेजों की जांच, मापन से लेकर क्षेत्र का दौरा शामिल है।

2.1 नाभिकीय और औद्योगिक फैसिलिटियों का नियामक निरीक्षण

32 नाभिकीय फैसिलिटियों के लिए नियमित नियामक निरीक्षण किए गए तथा इसके अतिरिक्त 2 विशेष निरीक्षण भी किए गए। इस तिमाही के निरीक्षण के दौरान, नाभिकीय एवं औद्योगिक फैसिलिटियों में मध्यम संरक्षा महत्व की एक घटना का पता चला।

2.2 विकिरण फैसिलिटियों (आरएफ) के नियामक निरीक्षण

तिमाही के दौरान विकिरण फैसिलिटियों के लिए कुल 229 नियमित नियामक निरीक्षण तथा 29 विशेष नियामक निरीक्षण किए गए। नियामक निरीक्षण के दौरान उच्च संरक्षा महत्व की अप्रशिक्षित कर्मियों द्वारा अन्तः क्षेपी (इंटरवेंशनल) रेडियोलॉजी एक्स-रे उपकरण के अनधिकृत उपयोग के संबंध में एक घटना का पता चला। तिमाही के दौरान निगरानी कर्मियों की अनुपलब्धता, एनएम अभ्यास में गैर-सीलबंद रेडियोधर्मी स्रोतों को संभालने वाले अप्रशिक्षित कर्मियों, अन्तःक्षेपी रेडियोलॉजी में असुरक्षित प्रचालन पद्धत्तियों और एक्स-रे आधारित औद्योगिक रेडियोग्राफी उपकरणों के अनधिकृत उपयोग संबंधी मध्यम सुरक्षा महत्व की अन्य सोलह घटनाएं रिपोर्ट की गई।

3.0 नियामक दस्तावेज

तिमाही के दौरान नियामक संरक्षा दस्तावेजों के विकास के एक भाग के रूप में, एईआरबी ने एक संरक्षा कोड और दो संरक्षा गाइड प्रकाशित किए। संरक्षा कोड "नाभिकीय और रेडियोलॉजिकल आपात स्थिति (एईआरबी/एनआरएफ/ एससी/ एनआरई) के प्रबंधन" नाभिकीय और रेडियोलॉजिकल संरक्षा के लिए विशिष्ट नियामक आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है जिसे लाइसेंसधारक द्वारा पूरा किया जाता है। इस संहिता के अनुरूप प्रावधान व्यापक हैं, क्योंकि यह संरक्षा संहिता राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी) में निर्धारित मापदंड के अनुरूप नाभिकीय और रेडियोलॉजिकल आपात स्थितियों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार विभिन्न अन्य प्राधिकरणों/एजेंसियों के संबंध में आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करती है। 'विखंडनीय पदार्थ प्रहस्तन फैसिलिटियों की गंभीर संरक्षा' पर संरक्षा गाइड नाभिकीय रिएक्टर के अलावा अन्य नाभिकीय और विकिरण फैसिलिटियों में विखंडनीय सामग्री के प्रबंधन, प्रसंस्करण और भंडारण में गंभीरता को रोकने और उप-गंभीरता को बनाए रखने पर मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह महत्वपूर्ण संरक्षा मूल्यांकन पद्धति को रेखांकित करता है तथा उप-क्रांतिकता, क्रांतिकता और अलार्म सिस्टम का पता लगाने, दुर्घटना डोसिमेट्री और आपात कालीन तैयारी योजनाओं को सुनिश्चित करने के लिए मानदंड निर्दिष्ट करती है। 'नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों के लिए उपकरण योग्यता' (एईआरबी /एनपीपी /एसजी/डी-27) पर संरक्षा गाइड सामान्य प्रचालन और दुर्घटना की स्थिति में कार्य करने के लिए आवश्यक नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों के उपकरणों की योग्यता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है। इसमें उपकरण योग्यता (ईक्यू) से संबंधित पहलुओं को शामिल किया गया है।

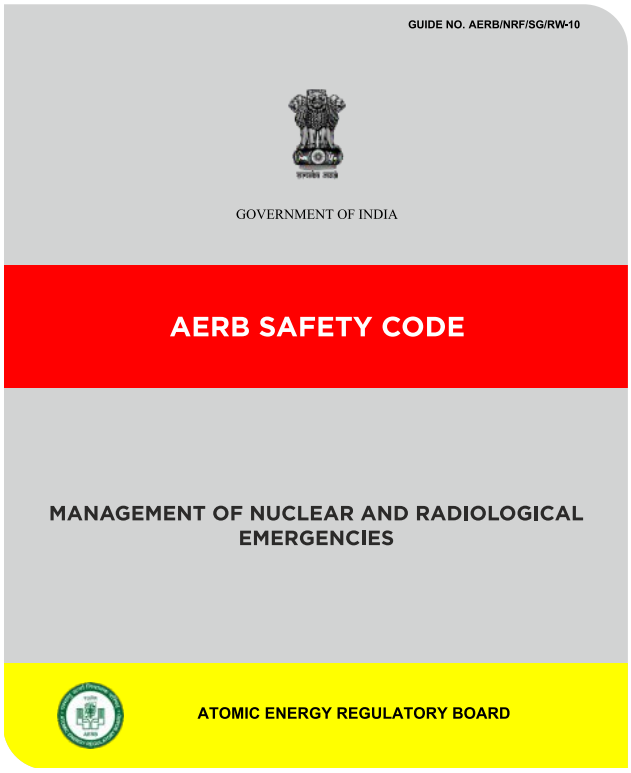

"नाभिकीय और रेडियोलॉजिकल आपात स्थितियों के प्रबंधन" पर संरक्षा कोड

विखंडनीय पदार्थ प्रहस्तन फैसिलिटियों की क्रांतिक संरक्षा पर संरक्षा गाइड

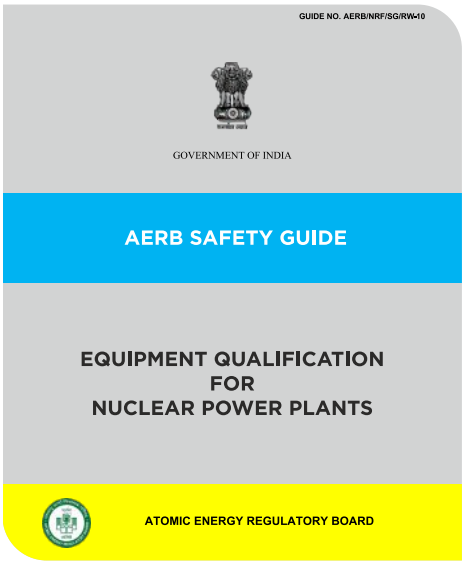

नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों के लिए उपकरण योग्यता पर संरक्षा गाइड

4.0 राष्ट्रीय समन्वय

4.1 नियामक इंटरफेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन

एईआरबी अपने लाइसेंसधारकों से नियामक अनुभव प्रतिक्रिया प्राप्त करने के उद्देश्य से 2017 से प्रत्येक वर्ष नियामक इंटरफेस (एनसीआरआई) पर विषयगत राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करता आ रहा है। इस वर्ष, एईआरबी ने 24 नवंबर, 2022 को मुंबई में एक दिवसीय एनसीआरआई -2022 का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया, जिसका विषय "औद्योगिक रेडियोग्राफी फैसिलिटियों और संबद्ध गतिविधियों में संरक्षा विनियम" था। देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 120 प्रतिभागियों ने सम्मेलन में प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि साठ फैसिलिटियों के प्रतिभागियों ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया। विकिरण आइसोटोप और प्रौद्योगिकी बोर्ड (बीआरआईटी), स्वदेशी निर्माता और आपूर्तिकर्ता ने औद्योगिक रेडियोग्राफी अभ्यास में स्रोत आपूर्ति और निपटान के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया। उत्तरी, पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों के लाइसेंसधारकों के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए और एईआरबी से विभिन्न सहमति प्राप्त करने के लिए ई-लोरा संचालन में आने वाली चुनौतियों को साझा किया। एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें पैनलिस्टों ने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए सवालों के उपयुक्त जवाब दिए।

एनसीआरआई-2022 को संबोधित करते हुए श्री एस.बी. चाफले, कार्यकारी निदेशक, एईआरबी

एनसीआरआई-2022 में भाग लेते हुए प्रतिनिधि

5.0 अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

5.1 भारतीय नाभिकीय व्यापार कार्यक्रम

भारतीय नाभिकीय व्यापार मंच ने 13-14 दिसंबर, 2022 के दौरान मुंबई में आईएनबीपी मीट 2022 का आयोजन किया, जिसका विषय " न्यूक्लियर फॉर नेट जीरो क्लीन एंड ट्रांजिशन डेवलप्ड इंडिया " था। भारतीय एनपीपी पर एक प्रस्तुति "संवर्धित संरक्षा और बेहतर परियोजना गुणवत्ता हेतु प्रभावी निरीक्षण के लिए नियामक ढांचा" पर दी गई थी, जिसमें भारत के नियमों के विकास, मौलिक संरक्षा सिद्धांतों का अनुपालन करके नियामक दस्तावेजों के माध्यम से एईआरबी नियमों का दर्शन, नई एनपीपी परियोजनाओं और प्रचालित संयंत्र की संरक्षा समीक्षा का अवलोकन दिया गया था

भारतीय नाभिकीय व्यापार कार्यक्रम की झलक

6.0 सार्वजनिक / हितधारक जागरूकता एवं संरक्षा प्रोत्साहन गतिविधियां

6.1 एईआरबी ने भारतीय एनपीपी में इन-कोर फ्यूल मैनेजमेंट पर थीम बैठक आयोजित की

एनपीपी के समग्र संरक्षा प्रदर्शन में इन-कोर प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए, एईआरबी ने 11-12 अक्टूबर, 2022 के दौरान संरक्षा अनुसंधान संस्थान, कलपक्कम में "भारतीय एनपीपी के इन-कोर ईंधन प्रबंधन कार्यक्रम" पर दो दिवसीय थीम बैठक का आयोजन किया। थीम बैठक को सुप्रसिद्ध गणमान्य व्यक्तियों जैसे श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष एईआरबी; श्री एस. ए. भारद्वाज, पूर्व अध्यक्ष, एईआरबी; डॉ. बी. वेंकटरमन, निदेशक, आईजीसीएआर; श्री एस.बी. चाफले, कार्यकारी निदेशक, एईआरबी और डॉ. डी.के. महापात्रा, अध्यक्ष, एसआरआई ने संबोधित किया था। इसके अलावा, उद्घाटन समारोह के दौरान 'भारतीय 700 MWe पीएचडब्लूआर के संरक्षा आकलन के लिए स्वतंत्र सत्यापन विश्लेषण' पर एक पुस्तिका जारी की गई। पुस्तिका भारतीय 700 MWe पीएचडब्लूआर की संरक्षा समीक्षा के लिए नाभिकीय संरक्षा विश्लेषण और अनुसंधान समूह के विश्लेषणात्मक योगदान को दर्शाती है।

एसआरआई, कलपक्कम के थीम बैठक की झलक

6.2 38वीं पऊवि संरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य पेशेवर बैठक

एईआरबी और न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने संयुक्त रूप से 19-21 दिसंबर, 2022 के दौरान काकरापार, गुजरात में 38वीं पऊवि संरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य पर पेशेवर मीट का आयोजन किया। इस वर्ष की बैठक के लिए थिमें "संरक्षा संस्कृति के लिए आत्मनाभूति" तथा "व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरे एवं इसका निगरानी नियंत्रण" थी। इन थीमों का उद्देश्य लोगों को उनकी ताकत, कमजोरियों, विचारों, भावनाओं और प्रवृत्तियों को समझाना तथा तदनुसार कार्यस्थल पर असुरक्षित व्यवहार को रोकने और सतर्क रहने के लिए दी गई स्थिति में प्रतिक्रिया देना था। श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी, और श्री बी.सी. पाठक, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसी आईएल ने बैठक का उद्घाटन किया। अध्यक्ष, एईआरबी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपी सीआईएल, श्री सुनील कुमार रॉय, साइट निदेशक, काकरापार, गुजरात और श्री एस.बी. चाफले, कार्यकारी निदेशक, एईआरबी ने पऊवि इकाइयों के विजेताओं को वर्ष 2021 के लिए एईआरबी औद्योगिक संरक्षा पुरस्कार और अग्नि संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। संरक्षा बैठक के दौरान कार्यक्रम में करीब 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री सूर्या राव वी. वी., संरक्षा और व्यावसायिक जोखिम पूर्व समूह अध्यक्ष, मेसर्स रिलायंस और पूर्व कार्यकारी निदेशक, एनओसीआईएल द्वारा "प्रक्रिया संरक्षा जोखिम प्रबंधन और संस्कृति के विकास" डॉ. एस.एस. रामास्वामी स्मारक अक्षय निधि व्याख्यान दिए गए। व्यावसा यिक स्वास्थ्य पेशेवरों की चर्चा के लिए विषय को विभिन्न नियंत्रण उपायों पर जोर देने के साथ "व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों, इसकी निगरानी और नियंत्रण" के रूप में चुना गया था। बैठक ने विभिन्न पऊवि प्रतिष्ठानों में औद्योगिक और व्याव सायिक स्वास्थ्य संरक्षा संस्कृति को और बढ़ाने के लिए अभ्यास करने वाले पेशेवरों द्वारा सूचना साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। विभिन्न निर्माताओं के कार्मिक संरक्षा उपकरण (पीपीई) और संरक्षा उपकरणों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

38वीं पऊवि संरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य पर पेशेवर बैठक की झलकियां

6.3 'नाभिकीय ऊर्जा एवं विकिरण अनुप्रयोग तथा संरक्षा विनियमन : उभरते पहलू' पर थीम बैठक

29 दिसंबर, 2022 को एईआरबी, मुंबई में 'नाभिकीय ऊर्जा एवं विकिरण अनुप्रयोग तथा संरक्षा विनियम: उभरते पहलू' पर एक थीम बैठक आयोजित की गई। थीम बैठक प्रत्यक्ष और ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी। थीम बैठक का उद्देश्य बड़े, मध्यम और छोटे नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों (एनपीपी) के साथ नाभिकीय ऊर्जा की तैनाती के लिए कदम उठाने हेतु संरक्षा नियमन के लिए एक रोड मैप पर चर्चा करना था, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा संकट और पऊवि इकाइयों के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए एसएमआर शामिल हैं। पऊवि स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्रों में विकिरण प्रौद्योगिकियों के विकास और उनके अनुप्रयोगों में लगे हुए हैं। थीम बैठक में अध्यक्ष, एईआरबी, सीएमडी, एनपीसीआईएल, अध्यक्ष-नामित अध्यक्ष, एईआरबी, कार्यकारी निदेशक, एईआरबी, निदेशक, एनएफआरजी, प्रभाग/निदेशालय, एईआरबी के प्रमुखों सहित पऊवि की विभिन्न इकाइयों के वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया। बीएआरसी, एनपीसीआईएल और एईआरबी के डोमेन विशेषज्ञों द्वारा लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) सहित उभरती विकिरण फैसिलिटियों के संरक्षा विनियमन में ऊर्जा मिश्रण और चुनौतियां और नव निर्मित रिएक्टर डिजाइनों के नियामक निरीक्षण, एनपीपी के नियंत्रण और इंस्ट्रुमेंटेशन सिस्टम में नवाचार, नाभिकीय ऊर्जा की भूमिका बढ़ाने में रोडमैप पर बातचीत की गई।

'नाभिकीय ऊर्जा और विकिरण अनुप्रयोग और संरक्षा विनियम : उभरते पहलू' पर थीम बैठक की झलक

7.0 मानव संसाधन विकास / पुनश्चर्या प्रशिक्षण

क्षमता विकास के भाग के रूप में, एईआरबी ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, नाभिकीय और विकिरण फैसिलिटियों पर ऑन-जॉब प्रशिक्षण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, तकनीकी वार्ता, संगोष्ठी तथा अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भागीदारी के माध्यम से अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना जारी रखा। एईआरबी ने अन्य संगठनों की नाभिकीय और विकिरण फैसिलिटियों के संबंध में नियामक और संरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षण देना भी जारी रखा है।

7.1 औपचारिक वार्तालाप

निम्नलिखित को कवर करते हुए तीन वार्ताओं का आयोजन किया गया:

- उन्नत संरक्षा एवं विनियमन (भाग I और II) की दिशा में भौतिकी डिजाइन के लिए प्रायोगिक सत्यापन और बेंचमार्किंग
- एईआरबी के कर्मचारियों के लिए कार्यालय प्रक्रिया की नियमावली
- दंडात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए एईआरबी के लिए कानूनी प्रावधान
- आग की घटनाओं से सीखना और संरक्षा संस्कृति का महत्व
- नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों में विकिरण परिरक्षण पहलू

एईआरबी इंट्रानेट पोर्टल पर इन व्याख्यानों की प्रस्तुति फाइलें और वीडियो अपलोड किए गए थे।

7.2 तकनीकी उत्कृष्टता टीम बैठकें

इस तिमाही में भी तकनीकी उत्कृष्टता समूहों (टीईटी) की बैठक जारी रही। निम्नलिखित पर प्रस्तुतीकरण किया गया और बाद में इन्हें एईआरबी इंट्रानेट पोर्टल पर अपलोड किया गया।

- स्नबर परीक्षण
- कम ऊर्जा वाले फोटॉन के लिए टी.एल. कार्मिक डोसिमीटर के स्थिर और गतिशील जोखिम की पहचान के लिए पद्धति
- टीएपीएस-3 और 4 में स्व-संचालित न्यूट्रॉन डिटेक्टरों (एसपीएनडी) और संबंधित मुद्दे का उपयोग।
- 700 MWe पीएचडब्लूआर का चैनल तापमान निगरानी प्रणाली (सीटीएमएस)।

7.3 एईआरबी के पूर्वी क्षेत्रीय नियामक केंद्र (ईआरआरसी) के नए भवन का उद्घाटन

वीईसीसी राजारहाट साइट, कोलकाता में स्थित एईआरबी के पूर्वी क्षेत्रीय नियामक केंद्र (ईआरआरसी) के एएमडी-एईआरबी भवन नामक एक नए भवन का उद्घाटन श्री के.एन. व्यास, अध्यक्ष, एईसी और सचिव, पऊवि ने दिनाक 21 नवंबर, 2022 को श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी, डॉ. ए.के. मोहंती, निदेशक, बीएआरसी, डॉ. डी.के. सिन्हा, निदेशक, एमडी, हैदराबाद, डॉ. सुमित सोम, निदेशक, वीईसीसी और श्री के. महापात्रा, निदेशक, डीसीएसईएम, मुंबई की उपस्थिति में किया।

कोलकाता में ईआरआरसी, एईआरबी के नए भवन के उद्घाटन समारोह की झलकियां

8.0 राजभाषा कार्यान्वयन

एईआरबी में राजभाषा कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में, हिंदी शिक्षण योजना के तहत सभी कर्मचारियों को वांछित हिंदी ज्ञान प्रदान कराने के लिए विभिन्न निम्नलिखित हिंदी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

8.1 संयुक्त हिंदी कार्यशाला

भारी पानी बोर्ड, मुंबई में 15 से17 नवंबर, 2022 तक तीन दिवसीय संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यशाला में एईआरबी के दो अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में सहायक निदेशक (राजभाषा), एईआरबी ने व्याख्यान दिया।

8.2 हिंदी प्रवीण और पारंगत परीक्षा

एईआरबी के छह कर्मियों ने नवंबर 2022 में आयोजित हिंदी प्रवीण परीक्षा में भाग लिया तथा सभी कर्मियों ने हिंदी प्रवीण पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। एईआरबी के एक कार्मिक ने नवंबर 2022 में आयोजित पारंगत परीक्षा में भाग लिया तथा पाठ्यक्रम को सफ लतापूर्वक पूरा किया।

9.0 एईआरबी स्थापना दिवस समारोह और सतर्कता जागरूकता सप्ताह

एईआरबी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 15 नवंबर, 2022 को नियामक भवन-ए सभागृह में एक वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एईआरबी के पूर्व अध्यक्ष श्री एस.एस. बजाज समारोह के मुख्य अतिथि थे। एईआरबी में दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 से 06 नवंबर, 2022 तक सत र्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया " जिसका थीम, " विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत" था। 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के दौरान सत र्कता अधिकारी द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। एईआरबी में कई अन्य जागरूकता कार्यक्रमों के साथ एईआरबी के कर्मचारियों के लिए नियामक भवन सभागृह में सतर्कता जागरूकता पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

एईआरबी स्थापना दिवस समारोह की एक झलक

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां

10.0 नियुक्तियाँ / सेवानिवृत्ति

नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम के विस्तार और देश में विकिरण फैसिलिटियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए एईआरबी के कार्यबल को विभिन्न स्तरों पर और विभिन्न चैनलों के माध्यम से बढ़ाया जा रहा है। इस अवधि के दौरान, एईआरबी में एक वैज्ञानिक अधिकारी सी ग्रेड में, पांच तकनीकी अधिकारी डी ग्रेड में और एक तकनीकी अधिकारी एफ ग्रेड में सीधी भर्ती के माध्यम से शामिल हुए। एईआरबी में शामिल होने वाले वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारी इस प्रकार हैं।

क्र.सं	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण तिथि
1.	श्री समीर किरमतकर	तकनीकी अधिकारी - एफ	10-10-2022
2.	श्री नीलेश जोशी	वैज्ञानिक अधिकारी-सी	01-11-2022
3.	श्री मनीष कुमार सनाध्य	वैज्ञानिक अधिकारी-डी	01-11-2022
4.	श्री पार्थकुमार पटेल	तकनीकी अधिकारी - डी	16-11-2022
5.	श्री अमित राय	तकनीकी अधिकारी - डी	22-11-2022
6.	श्री ई. कृष्णा तेजा	वैज्ञानिक सहायक - सी	09-12-2022
7.	श्री रोहित प्रसाद	वैज्ञानिक सहायक - सी	09-12-2022
8.	श्री पबित्र घोराई	तकनीकी अधिकारी - डी	12-12-2022
9.	श्री व्यापारी मंदार विलास	तकनीकी अधिकारी - डी	26-12-2022

अक्टूबर-दिसंबर 2022 के दौरान एईआरबी से सेवानिवृत्त/स्थानांतरित/त्यागपत्र देने वाले कार्मिक:

क्र. सं.	नाम	पदनाम	दिनांक	अभ्युक्ति
1.	श्री हितेश कुमार गौस्वामी स्थानांतरित	प्रवर श्रेणि लिपिक	29-12-2022	पदोन्नति पर
2.	श्रीमती शीला के. मेनन सेवानिवृत्त	सीनियर पीएस	31-12-2022	अधिवर्षिता पर

11.0 संगठन में परिवर्तन

11.1श्री दिनेश कुमार शुक्ला, पूर्व कार्यकारी निदेशक, एईआरबी ने एईआरबी की बागडोर संभाली

श्री दिनेश कुमार शुक्ला, पूर्व कार्यकारी निदेशक, एईआरबी ने दिनांक 31 दिसंबर, 2022 को श्री जी. नागेश्वर राव के कार्यकाल के पूरा होने के परिणामस्वरूप परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया है। श्री दिनेश कुमार शुक्ला नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र प्रचालन, संरक्षा के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं और अपने प्रबंधकीय, तकनीकी और प्रेरक कौशल के लिए जाने जाते हैं। श्री दिनेश कुमार शुक्ला ने दिनांक 28 फरवरी, 2021 तक एईआरबी के बोर्ड के कार्यकारी निदेशक और पदेन सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने एईआरबी में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान महत्वपूर्ण योगदान दिया था जैसे एईआरबी में कानूनी अधिदेश के साथ संगठनात्मक पुनर्गठन, नियामक गतिविधियों की जवाबदेही और स्वामित्व पर जोर देना, नियामक निर्णयों में श्रेणीबद्ध दृष्टिकोण को मजबूत करना, नियामक संरक्षा समीक्षाओं का अनुकूलन करना, नियामक इंटरफेस को सुव्यवस्थित करना और एकीकृत प्रबंधन का कार्यान्वयन करना। उन्होंने कई अवसरों पर अनुसंधान रिएक्टरों से संबंधित मामलों पर सलाहकार के रूप में आईएईए की सेवा की।

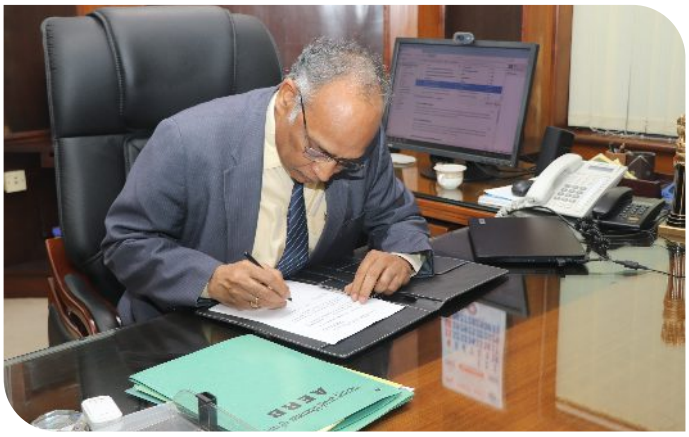

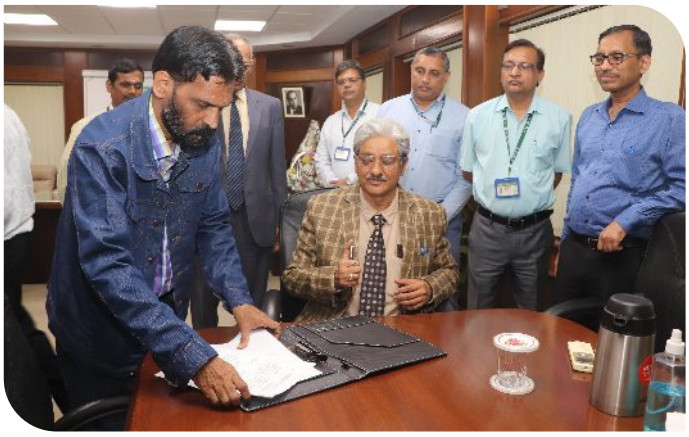

कार्यभार सौंपने के समारोह की झलकियां

11.2 श्री एस.बी. चाफले, निदेशक एनएसएआरजी, एईआरबी ने कार्यकारी निदेशक, एईआरबी के रूप में कार्यभार संभाला

श्री एस. बी. चाफले, निदेशक, एनएसएआरजी, एईआरबी ने दिनांक 01-10-2022 को कार्यकारी निदेशक, एईआरबी के रूप में पदभार ग्रहण किया है। वह एस एआरसीओपी (सारकोप) के अध्यक्ष और एईआरबी के मौजूदा बोर्ड के पदेन सदस्य भी हैं। कार्यकारी निदेशक, एईआरबी का कार्यभार संभालने से पहले श्री एस. बी. चाफले ने प्रमुख, एनपीएसडी, निदेशक, आर एवं डीडी और निदेशक, एनएसएआरजी के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया। उन्होंने हाल ही में अर्थात जून 2022 में आयोजित आईएईए (अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी), आईआरआरएस (एकीकृत विनियाम क समीक्षा सेवा) मिशन की मेजबानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री एस. बी. चाफले, कार्यकारी निदेशक, एईआरबी

11.3 श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी को भावभीनी विदाई

श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी ने दिनांक 31 दिसंबर, 2022 को एईआरबी के अध्यक्ष पद का प्रभार छोड़ दिया है। श्री जी. नागेश्वर राव ने दिनांक 4 जनवरी, 2019 को एईआरबी के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। एईआरबी में उनका कार्यकाल उधमीशील और ऊर्जावान रहा। उनके नेतृत्व में, एईआरबी ने प्रशिक्षण पर अतिरिक्त जोर देते हुए समीक्षा एवं मूल्यांकन के लिए मध्य स्तर के अधिकारियों को शामिल करके स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं का विकास कर एईआरबी को अधिक सक्षम एवं ज्ञान आधारित संगठन बनाने के लिए कई पहल की थी। विकास/संशोधन के लिए कई नियामक संरक्षा दस्तावेजों की पहचान की गई। नियामक गतिविधियों के विकेंद्रीकरण की दृष्टि से उन्होंने श्रमशक्ति और बुनियादी ढांचे के मामले में क्षेत्रीय नियामक केंद्रों को मजबूत किया। श्री नागेश्वर राव को बोर्ड की बैठक में संरक्षा और नियामक क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। एईआरबी में थीम बैठक का आयोजन दिनांक 29 दिसंबर, 2022 को तथा विदाई समारोह दिनांक 31 दिसंबर, 2022 को किया गया। श्री जी. नागेश्वर राव ने सभी को धन्यवाद दिया और इस बात पर जोर दिया कि एईआरबी को सभी हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में बढ़ते रहना जारी रखना चाहिए और संरक्षा विनियमन के क्षेत्र में (अंतरराष्ट्रीय स्तर पर) अग्रणी बनने की आकांक्षा भी रखनी चाहिए। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों में संरक्षा सुदृढीकरण हेतु समयबद्ध कार्यान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाई थी।

श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी की भावभीनी विदाई की झलकियाँ

11.4 श्रीमती शीला के. मेनन की स्नेहपूर्ण विदाई।

श्रीमती शीला के. मेनन, वरिष्ठ निजी सचिव, एईआरबी दिनांक 31 दिसंबर 2022 को सेवानिवृत्त हुईं। एईआरबी में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए एईआरबी उनकी ईमानदारी और तहेदिल से प्रशंसा करता है। दिनांक 3 अप्रैल 1989 से 31 दिसंबर, 2022 तक के अपने संपूर्ण करियर के दौरान उन्होंने अपने सभी सहयोगियों के लिए खुद को प्रिय बना लिया है।

श्रीमती शीला के. मेनन, वरिष्ठ निजी सचिव, एईआरबी की विदाई की झलकियाँ।

12.0 एईआरबी ने अपने पूर्व अध्यक्ष को विदाई दी

09 अक्टूबर, 2022 रविवार को बड़े दुख के साथ, हमें एईआरबी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ए. गोपालकृष्णन के 85 वर्ष की आयु में निधन की खबर मिली। एईआरबी डॉ. गोपालकृष्णन को उनके सरल स्वभाव, दयालु दृष्टिकोण और उनके सहयोगियों के प्रति गहरी समझ के लिए बहुत सम्मान और स्नेह के साथ हमेशा याद रखेगा। एईआरबी के लोग उनके साथ काम करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं तथा उनके कार्यकाल जून 1993 से जून 1996 तक के दौरान उनकी व्यावसायिकता और परामर्श की सराहना कर रहे हैं। एईआरबी ने डॉ. ए. गोपालकृष्णन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। हम, एईआरबी प्रबंधन और कर्मचारियों की ओर से शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

प्रतिपुष्टि

हम पाठकों/ हितधारकों की प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं। यदि आपको कोई प्रश्न या सुझाव है तो आप एईआरबी के प्रतिपुष्टि पोर्टल पर भेज सकते हैं। एईआरबी वृत्तपत्र में प्रकाशित होनेवाली सामग्री का स्वतंत्र रूप से उचित पावती के साथ पुन: मुद्रित या अनुवादित की जा सकती है।

एईआरबी वृत्तपत्र में प्रकाशित सामग्री को उचित अभिस्वीकृति सहित पुनर्मुद्रित या स्वतंत्र रूप से अनुवादित किया जा सकता है।

स्वीकृति

तैयारकर्ता

श्री मेघराज सिंह एवं श्री एवं सत्यवान बंसल

संपादकीय समिति

श्री हेमंत के. कुलकर्णी, श्री वी.वी. राउत, डॉ एस. के. प्रधान, श्रीमती सोनल गाँधी, श्री सौमेन सिन्हा, श्री परिक्षित बंसल, श्री राहुल पोरवाल, डॉ एस.पी. लक्ष्मण, श्रीमती एम.वी. ईनामदार, डॉ प्रदीप कुमार, श्री प्रवीन जे. पाटिल

प्रकाशक

श्री अविनाश जे. गायकवाड

प्रमुख , आर एवं डीडी, एवं प्रमुख ईआरएसडी एईआरबी, मुंबई

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

नियामक भवन, अणुशक्तिनगर मुंबई - 400094, महाराष्ट्र